सीएसआईआर-सीरी पिलानी में
"जिज्ञासा-2019" के अंतर्गत स्टूडेन्ट-साइंटिस्ट कनेक्ट प्रोग्राम का आयोजन

सीएसआईआर - केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) में विद्यार्थियों को विज्ञान व अनुसंधान की ओर आकर्षित करने के उद्देश्य से "जिज्ञासा-2019" के अंतर्गत छात्र-वैज्ञानिक संपर्क कार्यक्रम (स्टूडेन्ट-साइंटिस्ट कनेक्ट प्रोग्राम) का आयोजन 9 मई, 2019 को किया गया। इस एक-दिवसीय विज्ञान अनुसंधान शिविर में पिलानी पब्लिक स्कूल, हरिदेवी झूथाराम शिशु सदन, बिरला बालिका विद्यापीठ, जानकी देवी मंडेलिया स्कूल, वशिष्ठ पब्लिक स्कूल एवं सीरी विद्या मंदिर विद्यालयों के कक्षा 9, 10, 11 तथा 12 के 150 से अधिक विद्यार्थी एवं शिक्षक सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में **श्री भगवत नंदन**, निदेशक, बेयरफुट कॉलेज, तिलोनिया (अजमेर) उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के स्थानापन्न निदेशक डॉ प्रमोद कुमार खन्ना ने की। पिलानी व निकटवर्ती स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किए गए इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की कल्पना शक्ति को जाग्रत करते हुए उन्हें विज्ञान तथा वैज्ञानिक अनुसंधान की ओर आकर्षित करना था।

स्कूली विद्यार्थियों को अपने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री भगवत नंदन

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि **श्री भगवत नंदन** ने 'टैकलिग पॉवर्टी थ्रू साइंस' विषयक अपने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से छात्र-छात्राओं को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने सभी विद्यार्थियों को अपनी संस्था की गतिविधियों से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि औपचारिक शिक्षा के बिना भी आम जनमानस को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जा सकता है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि समाज के पिछड़े और वंचित वर्ग को सक्षम व सबल बनाना ही सच्ची समाज सेवा है। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था समाज के पिछड़े एवं वंचित वर्ग के उत्थान से जुड़े कार्यक्रमों से वर्ष 1972 से सेवारत है और विश्व के 96 देशों में अब तक लाखों लोगों को लाभान्वित कर चुकी है। श्री नंदन ने सभी विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि मानव सेवा बड़ा सामाजिक कार्य है और आप सभी विद्यार्थी भी इस बारे में सोचें और भविष्य में इस दिशा में अपना यथासंभव योगदान दें।

कार्यक्रम के दौरान सभागार में उपस्थित वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी

अपने संबोधन में **डॉ प्रमोद कुमार खन्ना** ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। उन्होंने विज्ञान को जीवन का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि सभी प्रतिभागी अपने अंदर भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करें। अपने संक्षिप्त उद्बोधन में उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी विद्यार्थी इस कार्यक्रम से लाभान्वित होंगे। इससे पूर्व आयोजन समिति के अध्यक्ष **डॉ सुचंदन पाल** ने स्वागत उद्बोधन देते हुए सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों व उपस्थित संस्थान के सहकर्मियों को मुख्य अतिथि श्री भगवत नंदन का संक्षिप्त परिचय दिया। डॉ पाल ने श्री भगवत नंदन को संस्थान की ओर से **स्मृति चिह्न** भेंट सम्मानित किया।

कार्यक्रम का संचालन संस्थान की वैज्ञानिक **सुश्री नलिनी पारीक** ने किया। संचालन के दौरान उन्होंने सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम की रूपरेखा और पृष्ठ भूमि से परिचित कराया।

मुख्य अतिथि को संस्थान की ओर से स्मृति चिह्न भेंट करते हुए डॉ सुचंदन पाल

संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. टी. ईश्वर ने **'सोलर एंड रीन्युएबल एनर्जी'** विषयक अपने व्याख्यान के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सौर ऊर्जा के विभिन्न आयामों और लाभों से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि पूरा विश्व आज सौर ऊर्जा से लाभान्वित हो रहा है और इसे भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए गंभीर है।

'सोलर एंड रीन्युएबल एनर्जी'पर प्रस्तुतीकरण देते हुए डॉ. टी. ईश्वर, वैज्ञानिक

स्कूली विद्यार्थियों के लिए संस्थान में आयोजित इस कार्यक्रम में **विज्ञान प्रश्नोत्तरी (साइंस क्विज़)** का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागी छात्र-छात्राओं से विज्ञान व सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्न पूछे गए। प्रश्न मंच का संचालन संस्थान के वैज्ञानिकों डॉ नीरज कुमार, सुश्री नलिनी पारीक और श्री आनंद अभिषेक ने किया। प्रश्न का सही उत्तर देने पर प्रतिभागियों को प्रतीक चिह्न के रूप में पेन भेंट किया गया। सभी बच्चों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रश्न मंच का संचालन करते हुए डॉ नीरज, वैज्ञानिक सीएसआईआर-सीरी

कार्यक्रम के अंतिम सत्र में जिज्ञासा कांग्रेस का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि श्री भगवत नंदन, संस्थान के स्थानापन्न निदेशक डॉ प्रमोद कुमार खन्ना तथा जिज्ञासा आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ सुचंदन पाल, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक पेनल सदस्यों के रूप में सम्मिलित हुए। पेनल सदस्यों ने विद्यार्थियों और उनके शिक्षकों से चर्चा की और अपने ज्ञान और अनुभव से उनके प्रश्नों के उत्तर दे कर उनकी जिज्ञासा को शांत किया। इस विशिष्ट सत्र के माध्यम से छात्र-छात्राओं को वैज्ञानिकों से परस्पर चर्चा का अवसर प्रदान किया गया। सभी विद्यार्थी इस सत्र से लाभान्वित हुए।

साइंस कांग्रेस में मंचस्थ विशेषज्ञ डॉ सुचंदन पाल, श्री भगवत नंदन एवं डॉ पी के खन्ना

अंत में आयोजन के संयोजक **डॉ अयन कुमार बंद्योपाध्याय,** प्रधान वैज्ञानिक ने मुख्य अतिथि के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों व शिक्षकों को कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए धन्यवाद दिया और भविष्य के लिए शुभकामना दी। उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी सहकर्मियों को भी धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम के कुछ अन्य चित्र

प्रतिभागियों को अपनी संस्था द्वारा तैयार उत्पादों का प्रदर्शन करते हुए मुख्य अतिथि श्री भगवत नंदन एवं उनके सहयोगी श्री किरुवा

जिज्ञासा कांग्रेस में प्रश्न पूछते प्रतिभागी शिक्षक